BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (06.12.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:06.12.2024, PAGE-06

छात्र संवाद में शिकायत के बाद परीक्षा विभाग ने शुरू की कवायद

विवि ने लंबित मार्क्सशीट का कॉलेजों से मांगा ब्योरा

बीआरएबीयू

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरए बिहार विवि में कितने छात्रों की मार्क्सशीट अटकी है, इसका ब्योरा तैयार किया जाएगा। परीक्षा विभाग सभी लंबित मार्क्सशीट को छात्रों तक पहुंचाने की कवायद कर रहा है। बिहार विवि के कई छात्रों को परीक्षा पास करने के बाद भी मार्क्सशीट नहीं मिली है। बिहार विवि की तरफ से होने वाले छात्र संवाद में लगातार इसकी शिकायत लेकर छात्र पहुंचते हैं।

इन शिकायतों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए परीक्षा विभाग ऐसे आवेदनों का ब्योरा सभी सेक्शनों से मंगेगा। इसके बाद स्नातक से लेकर पीजी तक कितने छात्रों की मार्क्सशीट अटकी है, उसे देखा जाएगा। जिन छात्रों की मार्क्सशीट अटकी है, उनकी मार्क्सशीट निकाली जाएगी।

छात्र संवाद में आने वाली शिकायतों की पड़ताल के बाद यह भी मालूम हुआ है कि विवि से कॉलेज मार्क्सशीट भेजने के बाद भी वह छात्रों को नहीं मिली है। परीक्षा विभाग इसका भी ब्योरा तैयार करेगा कि कितने छात्रों को मार्कशीट कॉलेज में जाने के बाद भी नहीं मिली है। परीक्षा विभाग ने डिग्री वितरण में सुधार के लिए बीते दिनों डिग्री रिसिविंग तीन जगह करने की व्यवस्था तैयार की थी। छात्रों की डिग्री लेकर जाने वाले कॉलेज प्रतिनिधि को रिसिविंग रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी लाइब्रेरी खुलेगी

- विवि में इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल खोलेगी लाइब्रेरी
- योग और वैदिक गणित से जुड़ी किताबें रहेंगी लाइब्रेरी में

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी लाइब्रेरी खोली जायेगी। विवि प्रशासन इसकी तैयारी कर रहा है। विवि में सेंट्रल लाइब्रेरी से अलग यह लाइब्रेरी होगी। इसमें योग, वैदिक गणित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी अन्य विषयों की किताबें रहेंगी।

विवि में जल्द ही भारतीय ज्ञान परंपरा सेल का गठन भी किया जाएगा। बीआरएबीयू के इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत सभी विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा सेल का गठन किया जाना है। इसी के तहत बीआरएबीयू में भी भारतीय ज्ञान परंपरा सेल के गठन की प्रक्रिया चल रही है। बीते दिनों नालंदा में हुए ज्ञान कुंभ में विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा सेल के गठन पर सहमति बनी थी।

रिटायर प्रोफेसरों से मांगी जाएंगी किताबें : भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत खुलने वाली लाइब्रेरी में शुरुआत में विवि के रिटायर प्रोफेसरों से किताबें मांग कर रखी जाएंगी। इसके बाद इस लाइब्रेरी में किताबें खरीदने की शुरुआत होगी। इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज ने बताया कि प्राचीन अर्थशास्त्र से लेकर बौद्ध से जुड़ी किताबें कई प्रोफेसरों के पास हैं, उनसे ये किताबें लाइब्रेरी के लिए मांगी जाएंगी। विवि में खुलने वाला इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल विवि में शुरू होने वाले सभी एड ऑन कोर्स की निगरानी करेगा।

एनआईआरएफ का भी काम कर सकता है सेल

इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल आने वाले समय में विवि को एनआईआरएफ रैंकिंग दिलाने के लिए भी काम कर सकता है। विवि ने पहली बार एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इस सेल के तहत एक कमेटी का गठन किया जायेगा। कमेटी सेल के सारे कामकाज को देखेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत विवि बौद्ध और तिब्बती साहित्य का भी अनुवाद कराएगा। इस अनुवाद से बिहार विवि के छात्रों को प्राचीन साहित्य के बारे में जानकारी मिलेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा में बौद्ध व तिब्बती साहित्य के अलावा पाली - प्राकृत जैसी भाषाओं में लिखे गये दस्तावेजों का भी अनुवाद किया जाएगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DAE : 06.12.2024, PAGE-06

विश्वविद्यालय रखेगा एक्सटर्नल परीक्षक

परीक्षा का स्वरूप बदला, एक्सटर्नल के साथ-साथ इंटरनल परीक्षक भी होंगे शामिल

- स्नातक से लेकर पीजी की परीक्षाओं में तत्काल प्रभाव से लागू होगी व्यवस्था, परीक्षा बोर्ड ने दी मंजूरी
- अब प्रैक्टिकल परीक्षा में दो परीक्षक होंगे, कापी पहले विश्वविद्यालय में यही होता था, बीच में हुआ बदलाव

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में होने वाली प्रैक्टिकल परीक्षाओं के स्वरूप में बदलाव किया गया है। अब परीक्षा में एक्सटर्नल के साथ-साथ इंटरनल परीक्षक भी शामिल होंगे। अब तक की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में दो एक्सटर्नल को आमंत्रित करने का प्रावधान रहा है। अब एक्सटर्नल परीक्षक की नियुक्ति विश्वविद्यालय स्तर से होगी। अब तक प्राचार्य के स्तर से या संबंधित विषय के एचओडी एक्सटर्नल की नियुक्ति करते थे। इसमें बदलाव किया गया है। अब कालेज या विभाग के बदले विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग के स्तर से एक्सटर्नल की नियुक्ति होगी। दूसरे विश्वविद्यालयों में यह व्यवस्था लागू है। कापी पहले विश्वविद्यालय में भी ऐसा ही हो रहा था, लेकिन बीच में जल्द से जल्द परिणाम जारी करने के लिए प्रक्रिया में बदलाव किया गया था।

परीक्षा बोर्ड में आए प्रस्ताव और सदस्यों की मंजूरी के बाद इसमें बदलाव किया गया है। अब प्रैक्टिकल परीक्षा में दो परीक्षक होंगे। एक इंटरनल परीक्षक और दूसरे एक्सटर्नल होंगे। इंटरनल परीक्षक को इसके लिए रेमुनरेशन का भी भुगतान किया जाएगा। उन्हें टीए नहीं मिलेगा। दूसरी ओर एक्सटर्नल को पूर्व की भांति एक्सटर्नल को रेमुनरेशन के साथ-साथ टीए का भी भुगतान किया जाएगा। अब तक एक्सटर्नल के रूप में आसपास के कालेजों के संबंधित शिक्षकों को ही प्रैक्टिकल परीक्षा में आमंत्रित किया जाता रहा है। दोनों ही एक्सटर्नल ऐसे ही संस्थानों से जुड़े होते थे। अब एक्सटर्नल के रूप में संबंधित विषयों के दूसरे जिले के शिक्षकों को बुलाया जाएगा। प्रैक्टिकल विषयों के लिए निर्धारित रेमुनरेशन का ही भुगतान होगा। जल्द ही इसको लेकर परीक्षा विभाग के स्तर से अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। सभी कालेजों के प्राचार्यों को भी इसकी जानकारी मिलेगी। इसे तत्काल प्रभाव से स्नातक से लेकर पीजी की प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए लागू किया जाएगा। परीक्षा बोर्ड के सदस्यों ने बताया कि परीक्षा बोर्ड में रखे गए प्रस्ताव को बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। दूसरी और चार वर्षीय स्नातक कोर्स में थर्ड सेमेस्टर में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। सेकंड सेमेस्टर का परिणाम जारी होते ही थर्ड सेमेस्टर के लिए इंटरनल समेत अन्य परीक्षाओं के लिए कार्यक्रम जारी होगा।

मूल्यांकन में एक ही साथ नहीं जाएंगे सभी शिक्षक

परीक्षाओं के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में एक साथ कालेज के सभी शिक्षक नहीं जाएंगे। कापी जांच में सभी शिक्षकों के एक साथ चले जाने से कालेजों में पठन-पाठन प्रभावित होता है। ऐसे में परीक्षा बोर्ड के स्तर से यह फैसला किया गया है कि कापियों के मूल्यांकन के साथ-साथ कालेजों में पठन-पाठन भी प्रभावित नहीं होना चाहिए। विश्वविद्यालय में पिछले सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू हुई है। इसके तहत हर छह महीने पर नामांकन, परीक्ष और मूल्यांकन होना है। ऐसे में पढ़ाई के साथ-साथ परीक्षा के कार्य भी अहम हो गए हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय स्तर पर दोनों ही कार्य प्रभावित न हो इसके लिए योजना तैयार की गई है। दूसरी ओर पिछले दिनों सभी कालेजों के प्राचार्यों ने आनलाइन मीटिंग के दौरान भी पठन-पाठन को बेहतर करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। इसमें भी इस बात पर सहमति बनी है कि पहले से ही कई विषयों में शिक्षकों की कमी है। ऐसे में मूल्यांकन में एक साथ सभी शिक्षकों के चले जाने से कालेज में कक्षाएं बाधित हो जाती हैं।